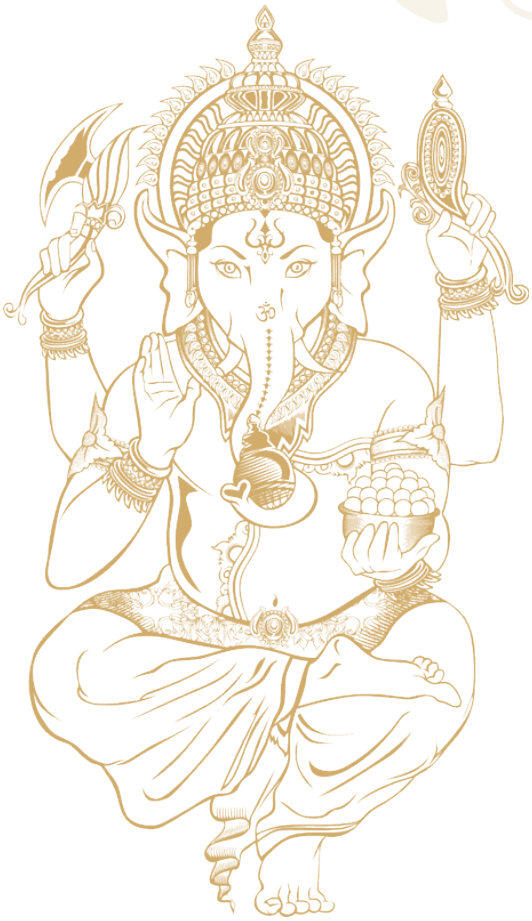

Mr. Raman Kumar

Ms. Mansi sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119951201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119951201 Date: 30/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1998	जन्म तिथि	04/10/2003
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	12:10:00 घंटे
घटी 17:55:06	जन्म समय(घटी)	14:27:26 घटी
India	देश	India
Mukerian	स्थान	Gurdaspur
31:57:00 उत्तर	अक्षांश	32:04:00 उत्तर
75:37:00 पूर्व	रेखांश	75:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:32	स्थानिक संस्कार	-00:28:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:57	सूर्योदय	06:23:40
18:36:37	सूर्यास्त	18:09:56
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:20
वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृष	राशि	मकर
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
मृगशिरा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	3
सिद्धि	योग	सुकर्मा
कौलव	करण	तैतिल
वो-वोमेश	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 8मा 11दि		26:46:50	वृश्चि		लग्न		वृश्चि	29:06:34	सूर्य 2वर्ष 0मा 11दि	
गुरु		26:29:27	सिंह		सूर्य		कन्या	16:43:37	राहु	
26/05/2020		29:37:17	वृष		चंद्र		मक	05:29:05	15/10/2022	
26/05/2036		21:08:43	कर्क		मंगल		कुंभ	06:32:19	15/10/2040	
गुरु	14/07/2022	15:27:39	सिंह		बुध		कन्या	01:30:29	राहु	28/06/2025
शनि	24/01/2025	29:35:29	कुंभ	व	गुरु		सिंह	14:05:36	गुरु	21/11/2027
बुध	02/05/2027	14:13:44	सिंह		शुक्र		कन्या	29:14:21	शनि	27/09/2030
केतु	07/04/2028	09:05:50	मेष	व	शनि		मिथु	18:53:55	बुध	16/04/2033
शुक्र	07/12/2030	07:30:51	सिंह		राहु	व	मेष	27:22:56	केतु	04/05/2034
सूर्य	25/09/2031	07:30:51	कुंभ		केतु	व	तुला	27:22:56	शुक्र	04/05/2037
चन्द्र	24/01/2033	15:28:29	मक	व	हर्ष	व	कुंभ	05:29:09	सूर्य	29/03/2038
मंगल	31/12/2033	05:45:40	मक	व	नेप	व	मक	16:35:24	चन्द्र	27/09/2039
राहु	26/05/2036	11:40:40	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	23:40:56	मंगल	15/10/2040

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:11 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:20

लग्न-चलित

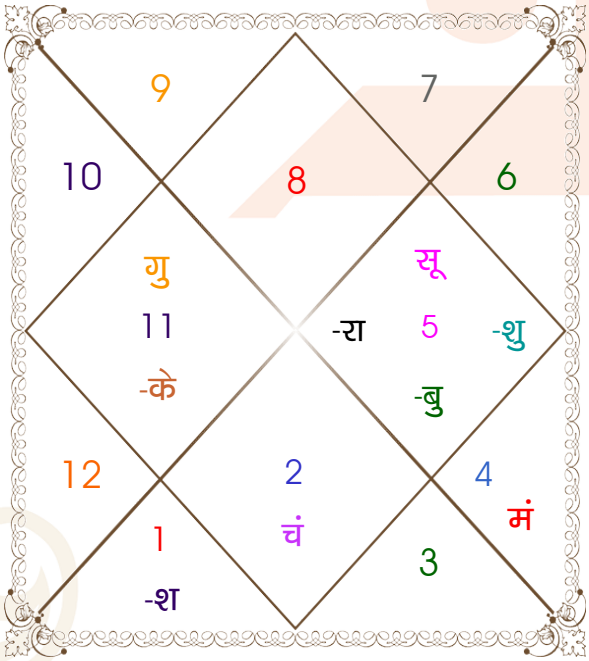

लग्न-चलित

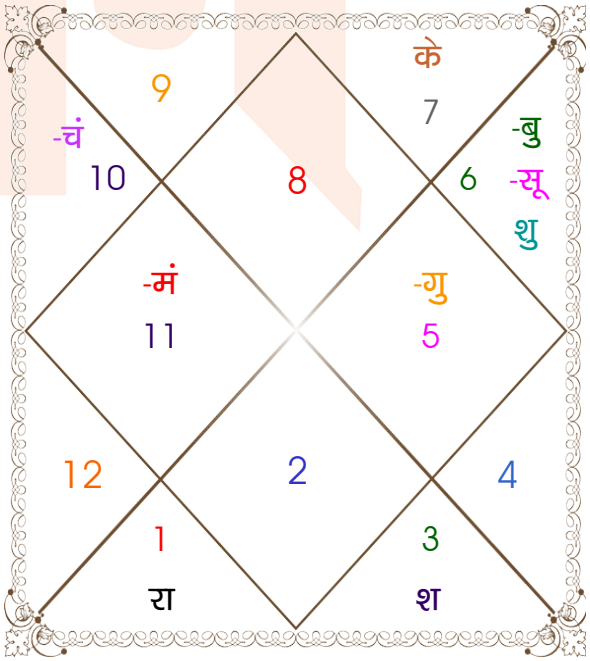

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	नकुल	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

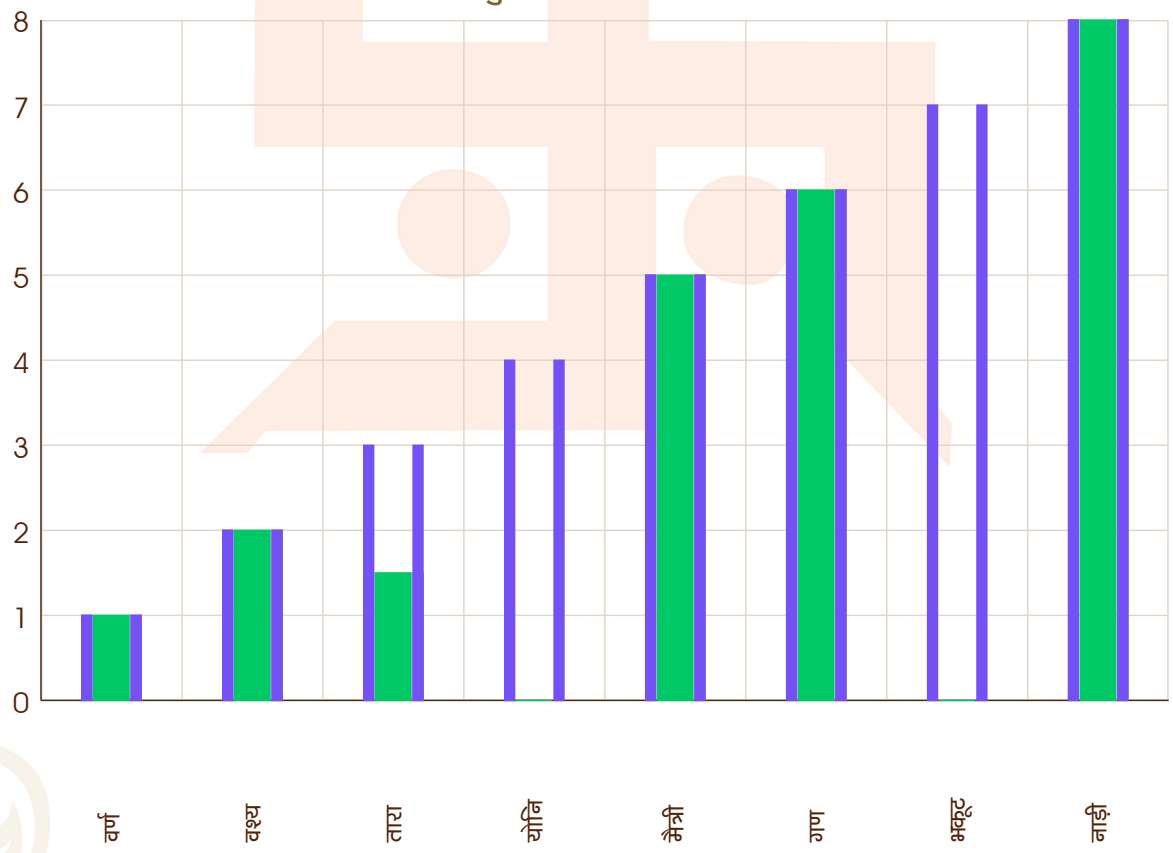

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा Ms. Mansi sharma का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. Mansi sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण त्ंउंद ज्ञनउंत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत तथा Ms. Mansi sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Mansi sharma का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत का वश्य चतुष्पद है एवं Ms. Mansi sharma का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप डतण त्ंउंद ज्ञनउंत एवं Ms. Mansi sharma दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की तारा विपत तथा Ms. Mansi sharma की तारा मित्र है। डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण त्ंउंद ज्ञनउंत एवं डतण त्ंउंद ज्ञनउंत के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms. Mansi sharma हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms. Mansi sharma को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की योनि सर्प है तथा Ms. Mansi sharma की योनि नकुल है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा

समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण त्ंउंद ज्ञनउंत एवं Ms. Mansi sharma दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण त्ंउंद ज्ञनउंत एवं Ms. Mansi sharma के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण त्ंउंद ज्ञनउंत एवं Ms. Mansi sharma जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत का गण देव तथा Ms. Mansi sharma का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms. Mansi sharma अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत से Ms. Mansi sharma की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms. Mansi sharma से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की नाड़ी मध्य है तथा Ms. Mansi sharma की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डतण त्ंउंद ज्ञनउंत एवं Ms. Mansi sharma के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma के मध्य स्वभावगत समानताओं की अपेक्षा विषमताएं अधिक होंगी। इस प्रकार यह मिलान मध्यम रहेगा। लेकिन डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की राशि वृष तथा Ms. Mansi sharma की राशि मकर दोनों पृथ्वीतत्व युक्त राशि है। अतः यदि मतभेदों एवं विवादों को बुद्धिमता पूर्वक सुलझाया जाय तो इसमें अनुकूलता के अवसरों में वृद्धि हो सकती है। डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms. Mansi sharma का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता के द्योतक है। अतः इनके प्रभाव से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma के मध्य मधुर संबधों की संभावना विद्यमान रहेगी तथा यदि आपस में सामंजस्य स्थापित किया जाय तो इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत हो सकता है तथा अपने अधिकांश समय को सुख के क्षणों में परिवर्तित करने में वे समर्थ होंगे।

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma की स्वाभिमानी प्रवृति आपसी समस्याओं को सुलझाने की अपेक्षा उलझाने में अधिक सहायक होगी साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान न करने की भी संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन प्रभावित होगा।

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत का वश्य चतुष्पद तथा Ms. Mansi sharma का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं जलचर के मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से उनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानता रहेगी। जिससे दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में इनको सफलता प्राप्त होगी एवं दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की प्रवृति धनार्जन के प्रति तत्पर रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को पूर्ण करेंगे। अतः आर्थिक रूप से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma की स्थिति सुदृढ़रहेगी।

धन

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत की नाड़ी मध्य तथा Ms. Mansi sharma की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए डतण त्ंउंद ज्ञनउंत को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Mansi sharma के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Mansi sharma को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Mansi sharma को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण त्ंउंद ज्ञनउंत और Ms. Mansi sharma का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Mansi sharma तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. Mansi sharma धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. Mansi sharma के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. Mansi sharma का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

डतण त्ंउंद ज्ञनउंत के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में डतण त्ंउंद ज्ञनउंत के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण त्ंउंद ज्ञनउंत के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा डतण त्ंउंद ज्ञनउंत भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।